



# कविता और चित्र संग्रह

विभिन्न लेखकों  
और चित्रकारों द्वारा

संपादन: गीता धर्मराजन



कथा की 300एम थिंकबुक





# सहायता करो

मदर टेरेसा

चित्र: एम एफ हुसैन

एक मुस्कान से शान्ति की  
शुरुआत होती है।

एक समय पर एक व्यक्ति की  
सहायता करो।

ऐसे व्यक्ति से शुरू करो जो  
आपके नज़दीक हो।



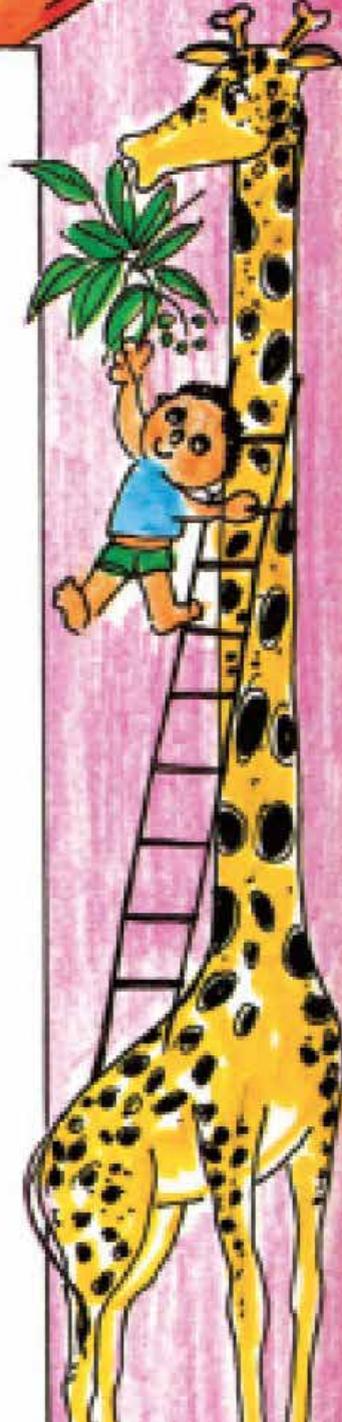
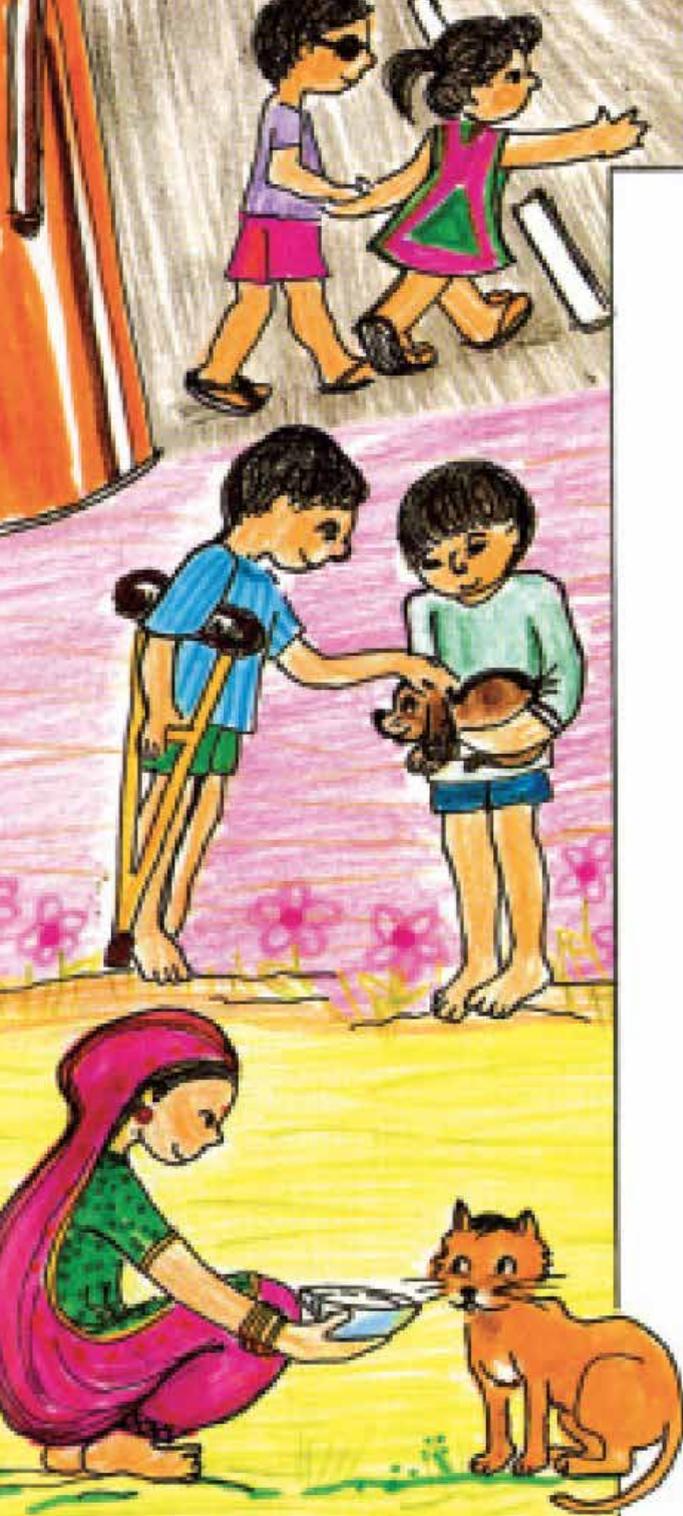
# पथ

महात्मा गाँधी

चित्र: नंदलाल बोस

मुझे पथ पता है  
यह सीधा और संकरा है।  
यह तलवार की धार जैसा है।  
मैं गर्व से इस पर चलता हूँ  
रो देता हूँ, अगर फिसलता हूँ।

मेरे भीतर एक आवाज़ है कहती,  
“प्रयास करने वाले, हारते नहीं।”  
मेरी आवाज़ पर है मुझे विश्वास।  
असफलता हो कैसी भी,  
नहीं छोड़ूंगा मैं प्रयास।



# दया

दलाई लामा

चित्र: सबा हसन

दया करो

जब भी संभव हो।

दया करना हमेशा संभव होता है।

xlrk /leɪkt u बच्चों के लिए कहानियाँ लिखना पसंद करती हैं। वह टारगेट पत्रिका और पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय की पत्रिका पेन्सिलवेनिया गज़ेट की संपादक भी रह चुकी हैं। साहित्य एवं शिक्षा में किये गये इनके अद्वितीय योगदान के लिए इन्हें सन् 2012 में राष्ट्रीय सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

नंदलाल बोस आधुनिक भारतीय कला के सबसे पहले कलाकारों में से थे। वे अबनिंद्रनाथ ठाकुर के शिष्य थे। उन्हें 'भारतीय शैली' की कला के लिए जाना जाता है। वे १९२२ में कला भवन, शांतिनिकेतन के प्रिंसिपल बने थे।

मकबूल फिदा हुसैन को एम. एफ. हुसैन के नाम से जाना जाता था। वे आधुनिक भारत के वह कलाकार थे, जिनकी अंतर्राष्ट्रीय ख्याति थी। वे 'द प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट्स ग्रुप ऑफ बॉम्बे' के संस्थापक सदस्य थे। हुसैन को भारतीय आधुनिकता से १९४० में जोड़ा गया।

सबा हसन एक ऐसी कलाकार हैं जिन्होंने कला के कई क्षेत्रों में काम किया है। उन्होंने इंस्टॉलेशन आर्ट, पेंटिंग, फोटोग्राफ, वॉइस ओवर और वीडियो के काम भी किया है। सबा ने कला शिक्षक के तौर पर कार्यशालाएं भी करी हैं और किरण नाडर म्यूजियम में और जामिया विश्वविद्यालय और आर्टरीच के सामुदायिक प्रोजेक्ट्स में भी काम किया है।



हिंदी संस्करण 2021

कृति स्वामित्व © कथा, 2021

चित्रांकन कृति स्वामित्व © विभिन्न चित्रकार

स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्य: हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रुचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए-3 सर्वोदय एन्चलेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली - 110017

दूरभाष: 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998

ई-मेल: [marketing@katha.org](mailto:marketing@katha.org)

वेबसाइट: [www-katha-org](http://www-katha-org) | [www-books-katha-org](http://www-books-katha-org)

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।

कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।



यह पुस्तकें कथा ने बहुत ध्यान और स्नेह के साथ बनायीं हैं। यह 5 से 12 वर्ष आयु के बच्चों के लिए हैं।

यह हमारे 'UntextBook Initiative' का हिस्सा हैं। बच्चों को पढ़ने का आनंद आये उसके लिए हम बेहतरीन साहित्य और कला का इस्तेमाल करते हैं।

अपने बच्चों के बिना शब्दों वाली किताबों से 1200 शब्दों वाली कहानियों की यात्रा कराएँ।

इसमें 3500 वर्ष पुराने साहित्य से कहानियाँ और कविताएँ हैं।

अपने बच्चों के साथ इन्हें पढ़ें। उनकी कल्पना को नयी उड़ान दें।

हमारे साथ '300 Million Citizens' Challenge' का हिस्सा बनिए। एक ऐसी दुनिया के निर्माण के लिए जहाँ बच्चे आनंद से पढ़ें और समझें। हमसे जुड़ें: [300m@katha.org](mailto:300m@katha.org) स्वयंसेवा के लिए: [volunteer@katha.org](mailto:volunteer@katha.org) पर हमें लिखें

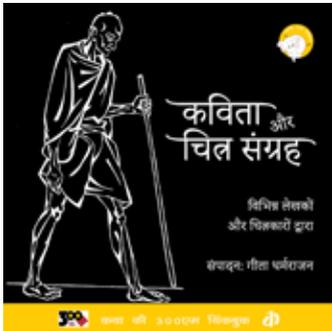
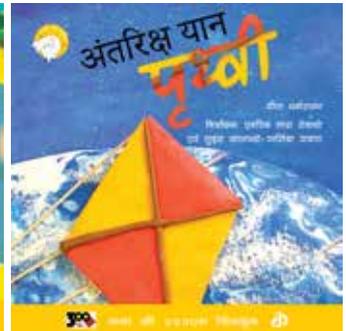
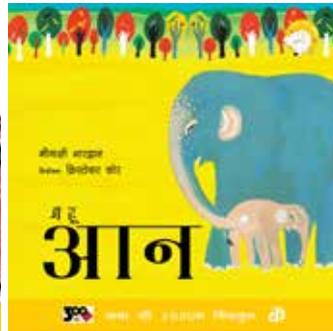
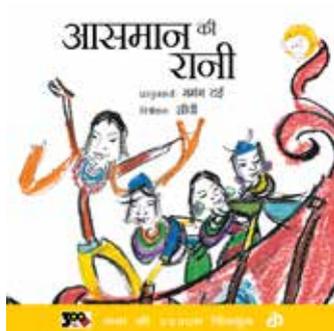
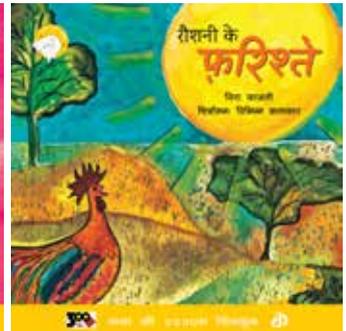
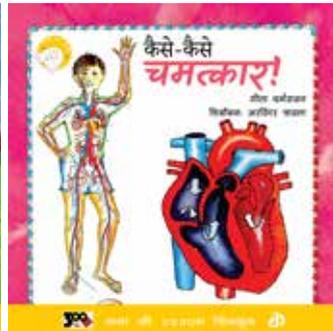
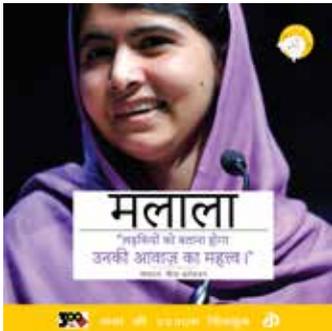
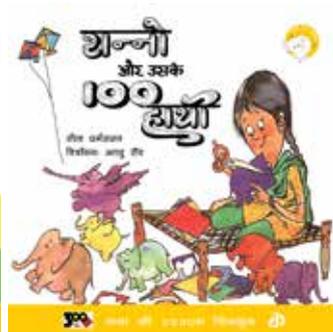
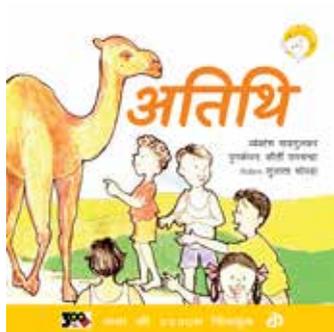
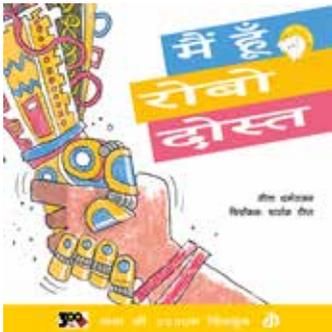
'I Love Reading' Library कथा की एक खास शृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग - अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है। यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर - लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए [300m@katha-org](mailto:300m@katha-org) पर जाएँ।

पढ़ो  
के  
लिए  
आनंद  
और  
समझने

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं



FOR OUR BOOKS

[www.books.katha.org](http://www.books.katha.org)

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."  
— The iconic The Economic Times

katha book for children

ISBN-978-93-88284-81-3

9 789388 284813

www.katha.org

₹ xxx

इसकी  
गीत  
श्रृंखला  
में